



दूर के सितारों की क्या मजबूरी॥

हिमाचल
लोकसभा
चुनाव एक
नजर1,38,918
वोट पहली बार करेंगे मतदान
75,001 पुरुष
63,918 महिलाएं
01 धर्द जैडशिमला संसदीय सीट
ने बालक दान कर्त्या जनता
पार्टी से सांसद बने
1977 से केंद्री सुलानपुरी 1998 तक
लगातार 6 बार सांसद रहे1999 ने धनीराम शाडिल
हिविका से चुने गए
2009 से 2019 तक नीरंद कर्त्या भारतीय
जनता पार्टी से दो बार सांसद रहे।
2019 से सुरेश कर्त्या हैं शिमला
संसदीय क्षेत्र से सांसद

सितरे अब तक दूर थे, लेकिन नजदीक अनें लगे हैं इनकी क्या मजबूरी है, यह बताना भी जरूरी है। समाज सेवा से ज्ञान न हो इनको बासा, लेकिन जननीति से तबाह रहे हैं भवित्व। इन्हें काम करना चाहिए। काम वहाँ नहीं तो वहाँ तो किसी काम आना चाहिए। एक अद्वितीय काम तबुवा का रहा। हिमाचल परदे पर पहले भाग है, यहाँ ऊटा देव उक्त क्षेत्रीय दलों ने घास दी। परदे के आगे की कहानी तो कुछ खास है, परदे के पीछे बालों को उसमें आय है ऊटा, भारद्वज वाला जैवीकी भी बद्ध उद्धार है। ताक अब तक अपनी पार्टी का विव्ल लेकर नीरंद लगाता रहा है, कभी टिकट उक्त भी होगा ऐसा सपना लेता रहा है। अब न्यूलैंस की दुनिया ने उक्त सपना तोड़ दिया है। ताक ने भी विव्ल जैड में खेल के आगे की तरफ आदिवासी को अलंकार लेने दिया है। ताक जो मनोनीती की बात हो रही है, लेकिन ज्ञान नहीं तो उक्त दिल की भाल कैसे किसी को बताने वाला है। साथ चलन का तो उक्त एक बहाना है, मक्सद तो अपनी ताकत का घोट से सबक सिखाना है। -राजेश शर्मा

नेताओं का बदल रहा चरित्र

कलियां में जननीतिक का युद्ध बढ़ विचित्र देखा है। नेताओं का रेंज बदलता चरित्र देखा है। कल तक जो राजनीति के चाणक्य अनुके तुम्हारा थे, अब उसे मिलकर जानी वाला तो हो रहा है। जो उक्त की तप्पिया भी सबने देखी है। वे चुनावों से टीक पहले शक्तियों का आहान भी करते देखे गए थे। चार दशकों से उहानें जो ब्लॉपांड से शक्तियों अपने भीतर समाप्ति की है, उनकी जस्तर कई नेताओं को अबकी आन पहुंच है। एक के बाद एक के बाद तो हाजीरी भी हो रही है। डंडवत होकर आशीर्वाद देखे भी लेने पहुंच रहे हैं, जो उक्त सियासी हस्ती के चांच पहुंचाता पार कर रहे हैं। भीष्म और युहु में आपने सपनों भी अपने ही हैं, जो भी आशीर्वाद देने आए। मजबूरी है, जैसे तो तथास्तु कहना हो गया। हमेंरार वाला पिंक बड़ा सब देख हैं पेशन है। हिंकु बड़ा जाना है भीष्म प्रियम है से आशीर्वाद लेना कौन सा आपना है। कुछ ने दिया है, उक्त सपने पहले उनकी शक्तियों का आहान नहीं किया है। भीष्म प्रण और शक्ति इस बार प्रभाव दिखाएगी, एक तीसे से कई निशान हुए हैं इसका एहसास दिलाएगी।

उम्मीदवारों की 'फीडबैक' लेकर सीधे दिल्ली जाएंगे सीएम सुख्खू

लोकसभा-विधानसभा चुनावों के लिए टिकट के चाहवानों की भी टोलेंगे नज़ार

विक्रम छटवालिया, हमीरपुर

लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव के लिए मुख्यमंत्री सुख्खूविद्वंद सिंह सुख्खू नादीन में अंग गतिविधियों में लागाना लेने के अलावा सांभारी क्षेत्र में प्रत्याशियों की भी 'फीडबैक' लेंगे। उसके बाद वह शनिवार तक सीधे दिल्ली जाएंगे, जहाँ हार्डकाम के साथ प्रत्याशियों के चयन को लेकर बैठक होगी।

मुख्यमंत्री वीरवार दोपहर को कुलौहड़ में थे और आम साम को अपने गृह क्षेत्र नादीन में आ गए, जहाँ उहानें समर्थकों से मिलकर चुनावी गतिविधियों का भी ब्लॉर लिया, क्योंकि विधानसभा के उपचुनाव सुजानपुर, बड़सर, कुलौहड़ और गारेट में हो रहे हैं। इन सभी क्षेत्रों में कांग्रेस जीती थी, क्षेत्रों में हुए सियासी घमासान के बाद इन क्षेत्रों के बागी वीरवार अब आमपा में शामिल होकर चुनावी वंगल में कूद गए हैं। इसीले हमीरपुर वाला नामों पर भी संसदीय सीट के तहत आने वाले

इन क्षेत्रों में पार्टीजनों के साथ रणनीति बनाने के लिए सुख्खू का यह दोगा बहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सुख्खू के मुताबिक हर एक विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशियों की फीडबैक लेने के बाद जिताऊ नाम उसमें शामिल किए गए हैं। तीन से चार फीडबैक लेने के बाद जिताऊ उम्मीदवार को फाइनल किया जाएगा। सुजानपुर में जिन तीन नाम की चर्चा हो रही है, उनमें पूर्व विधायक कुलौहड़ परवाना के बागी वीरवार तो ही मिलेंगे। इस सारी फीडबैक को लेने के बाद ही सुख्खू दिल्ली कूच करेंगे। काविले गौर यह है कि कांग्रेस से बागी विधायकों की सच्चा सीएम के गृह जिले से ही ज्यादा है। इसीले अब अभी नहीं तो कभी नहीं, की नीति पर सरकार होकर मुख्यमंत्री इनके साथ विशेष रणनीति के तहत चुनावी दिगंबर में उतरने वाले हैं। (अनंत ज्ञान)

चर्चा कर रहे हैं, लेकिन मसला इन्हीं के इदं-पाद चूम रहा है। अब मुख्यमंत्री शुक्रवार के दोरे के बाद हमीरपुर जिले के इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों की स्थिति को अंदर नीती जायजा ले लेंगे, जो सभावित हैं उससे भी मिलेंगे। इस सारी फीडबैक को लेने के बाद ही सुख्खू दिल्ली कूच करेंगे। काविले गौर यह है कि कांग्रेस से बागी विधायकों की सच्चा सीएम के गृह जिले से ही ज्यादा है। इसीले अब अभी नहीं तो कभी नहीं, की नीति पर सरकार होकर मुख्यमंत्री इनके साथ विशेष रणनीति के तहत चुनावी दिगंबर में उतरने वाले हैं।

जिताऊ उम्मीदवार की संभावनाएं तलाश रहे सीएम

सुजानपुर में जिताऊ उम्मीदवार की सारी संभावनाएं मुख्यमंत्री तलाश रहे हैं और भले ही विधायी पार्टी से भी यह कोई नेता इंपोर्ट करके चुनावी दिगंबर में उतरने की स्थिति बन रही हो तो इस पर भी उहानों अलां-अलांग एंजेसियों से फीडबैक ली है। सर्वे पल्ले ही हो चुका है। यह सारी स्थितियां प्रत्याशी के चयन के लिए अव्वल स्थिति बन रही हैं।

धर्मयुद्ध है चुनाव, भाजपा का सबसे बड़ा धर्म राष्ट्रवाद: कंगना रनौत



कंगना रनौत को सम्मानित करते विधायक राकेश जमाल व अन्य।

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

धर्मयुद्ध है। वहाँ, सुंदरनगर के विधायक एवं प्रदेश भाजपा मुख्य प्रवक्ता राजनीति से उत्तराधिकारी की है। कंगना रनौत में गुरुवार के दौरे पर चित्य वर्तमान का सरकार डिगोटिकेशन वाली सरकार के तौर पर हमेशा याद रखी जाएगी।

प्रदेश सरकार से उनके ही पार्टी पार्टी छोड़ दी। सरकार को समर्थन देने वाले 3 निर्दलीय विधायक भी पार्टी में दूर कर रहे हैं। उहानोंने एक विधायक द्वारा होकर भाजपा में रहना चाहता है।

कांग्रेस रे ता छातीया पर मूँ दली ते

मंडी। वीरवार को आमपा मंडी सदर ब्लॉक की बैठक की आयोजन विश्वकर्मा महिलाएं परिसर में किया गया, जिसमें मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा की राजनीति अब जिस एंटर दोर में पहुंची है, इसका फायदा कांग्रेस उत्तरों की तालाश इसकी बनियाद बोनी। जिसके बागी आमपा राजनीति में कई और भले ही किंतु-पांडे हैं। उनका असर कांग्रेस की राजनीति पर फिलारा पड़ेगा। इसका लाभ कांग्रेस खासगंगा मुख्यविद्वंद सिंह सुख्खू में उत्तरों की मौजूदाएं में कितना मिलेगा, इस पर भी चर्चा अब खुलकर हो रही है। वहाँ, प्रदेश की जानता की निगाहें कांग्रेस के प्रत्याशियों पर टिकी हुई हैं। अनुग्रा ठाकुर की बात करें तो उनके साथ मुकाबले में कांग्रेस को बहरत चहरा देना ही उनके लिए टक्कर का मुकाबला साबित कर सकता है।

युवा मतदाता

परिवार व गांव के लोग हर बात मतदात करते जाए थे, इस बार मैं भी मतदात करके मतदात के मार्गावर की भूमिका निभाना। जिसको लेकर काफी दिनांक विद्युतीयों की साथ आया था। इस दौरान उहानोंने कांग्रेस सरकार के बिलाक खबर जबानी हमला बोला। उहानोंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को यह रास नहीं आया कि छोटे से गांव की बैठक जिसका फिलम तो तो अपने घर लौटा देने की बाबत की बात किए जाएं। उनका असर कांग्रेस की राजनीति पर कई और भले ही किंतु-पांडे हैं। उनका असर कांग्रेस की राजनीति पर फिलम तो तो अपने घर लौटा देने की बाबत की बात किए जाएं। उहानोंने मंडलांगी भाषा में कहा कि कांग्रेस रे ता छातीया पर मूँ दली ते जिसका मंडलांगी में पक्की भाषा में कहा जाएगा।

आरपीत, कुल्ला।

मतदात महत्वपूर्ण होता है। सोच-समझ कर जाना से किए जाने वाले दो वोट देंगे। उहानोंने पार्टी नेता जीवन विद्युतीयों की बाबत की बात करेगा, बिला भेदभाव के विकास कार्य करवाने का बाल करेगा, उसे बोल देंगे।

कुलदीप कुमार, गगल।

पुरुष मतदाता

मंडी संसद को सदर में हाइब्रिड बीजों का मुद्दा उठाने चाहिए, ताकि मंथन के बाद भी बोनी विद्युतीयों से उत्तर

